

همیشه چیزهایی هست که  
نمی دانی

شهرلا شورگشتی

|                     |                                               |
|---------------------|-----------------------------------------------|
| سرشناسه             | : شورگشتی، شهلا، ۱۳۶۷ -                       |
| عنوان و نام پدیدآور | : همیشه چیزهایی هست که نمی‌دانی/شهلا شورگشتی. |
| مشخصات نشر          | : تهران: آرنا، ۱۳۹۲.                          |
| مشخصات ظاهری        | : ۸۵ص؛ ۱۴/۵*۲۱/۵سم.                           |
| شابک                | : ۹۷۸-۶۰۰-۹۳۷۰۵-۰-۴                           |
| وضعیت فهرست نویسی   | : فیبا                                        |
| موضوع               | : شعر فارسی -- قرن ۱۴                         |
| رده بندی کنگره      | : PIR ۸۱۲۳ ۱۳۹۲ ۸۱۶۵۸/۴                       |
| رده بندی دیویی      | : ۶۲/۱۳۸                                      |
| شماره کتابشناسی ملی | : ۳۰۹۷۲۹۹                                     |



نشر آرنا

|          |                                 |
|----------|---------------------------------|
| عنوان    | : همیشه چیزهایی هست که نمی دانی |
| نویسنده  | : شهلا شورگشتی                  |
| ناشر     | : آرنا                          |
| طرح جلد  | : مرتضی هانی                    |
| صفحه آرا | : فرشته زند                     |
| چاپ      | : اول، بهار ۱۳۹۲                |
| شمارگان  | : ۱۰۰۰ نسخه قیمت: ۴۰۰۰ تومان    |
| شابک     | : ۹۷۸-۶۰۰-۹۳۷۰۵-۰-۴             |

www.arnapub.com

## فهرست مطالب

|    |          |
|----|----------|
| ۷  | ماه      |
| ۸  | بهانه    |
| ۹  | قهرمان   |
| ۱۰ | زندگی    |
| ۱۱ | شرجی     |
| ۱۲ | هبوط     |
| ۱۳ | ترس      |
| ۱۴ | اعتماد   |
| ۱۵ | ستاره ها |
| ۱۶ | رهایی    |
| ۱۷ | آرشیو    |
| ۱۸ | دسترسی   |
| ۱۹ | ولع      |
| ۲۰ | حرف      |
| ۲۱ | بهار     |
| ۲۲ | نبودن    |
| ۲۳ | خاکستری  |
| ۲۴ | هستی     |
| ۲۵ | انتظار   |
| ۲۶ | لحظه     |
| ۲۷ | طبیعت    |
| ۲۸ | ارزش     |
| ۲۹ | طلوع     |
| ۳۰ | سرد      |
| ۳۱ | توقف     |
| ۳۲ | تعریف    |

|    |           |
|----|-----------|
| ۳۳ | پاییز     |
| ۳۴ | شخصیت     |
| ۳۵ | لذت       |
| ۳۶ | شوخی      |
| ۳۷ | بازنده    |
| ۳۸ | ترجیح     |
| ۳۹ | باد       |
| ۴۰ | غرور      |
| ۴۱ | حرف       |
| ۴۲ | آرزو      |
| ۴۳ | عشق       |
| ۴۴ | وابستگی   |
| ۴۵ | تناقض     |
| ۴۶ | بارانی    |
| ۴۷ | سناریو    |
| ۴۸ | ۲ سکانس   |
| ۴۹ | نمایشنامه |
| ۵۰ | نگاه      |
| ۵۱ | پرسپکتیو  |
| ۵۲ | پنهان     |
| ۵۳ | غروب      |
| ۵۴ | خاطره     |
| ۵۵ | سکوت      |
| ۵۶ | تمام      |
| ۵۷ | خیال      |
| ۵۸ | نشانی     |
| ۵۹ | مقیاس     |
| ۶۰ | عبور      |

|    |              |
|----|--------------|
| ۶۱ | گذر لحظه ها  |
| ۶۲ | پیدا         |
| ۶۳ | حبس          |
| ۶۴ | مرگ لحظه ها  |
| ۶۵ | مرور         |
| ۶۶ | تهران        |
| ۶۷ | دنیای اشعار  |
| ۶۸ | خداوند       |
| ۶۹ | تاریکی       |
| ۷۰ | غربت درخت    |
| ۷۱ | تصویر        |
| ۷۲ | قطار         |
| ۷۳ | من           |
| ۷۴ | تکرار        |
| ۷۵ | نقطه ی پایان |
| ۷۶ | هوا          |
| ۷۷ | تولد         |
| ۷۸ | شهر تنهایی   |
| ۷۹ | دیدار        |
| ۸۰ | باران        |
| ۸۱ | خودخواهی     |
| ۸۲ | جمعه         |
| ۸۳ | خلسه         |
| ۸۴ | پله ی آخر    |

هنر چیزی نیست مگر توجه به دنیا با حسن نیت و روشن بینی، هنر از پس هر چیز جلوه گر ذات پروردگار است.

«هرمان هسه»

www.ketab.ir